प्रातः खबर

मंगलवार, 27 फरवरी 2024

रंगापाड़ा महाविद्यालय में साहित्य अकादमी की विचारगोष्ठी आयोजित

रंगापाड़ा, 26 फरवरी (ख.सं)। पृथ्वी को सुंदर बनाने के लिए काव्य, साहित्य, शिल्प को सुंदर बनाना होगा। मनुष्य के जीवन को सार्थक करने के लिए आंतरिक रूप से सौंदर्य का सृजन करना होगा। आज रंगापाड़ा महाविद्यालय के डिजिटल सभागार में साहित्य अकादमी के तत्वावधान में और रंगापाड़ा महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित विचारगोष्ठी में हिस्सा लेते हुए दार्शनिक दिगंत विश्व शर्मा ने उक्त बातें कही। सुबह 10 बजे महाविद्यालय के अध्यापक प्रशांत बोड़ो की अध्यक्षता में आयोजित विचारगोष्ठी में स्वागत भाषण महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. रंजन कलिता ने दिया। उन्होंने कहा कि रंगापाड़ा महाविद्यालय के लिए आज का दिन एतिहासिक है। उनके कार्यकाल में छह वर्षों में यह इस तरह की पहली विचारगोष्ठी है। इस वर्ष के अंत में इस तरह की विचारगोष्ठी आयोजित की जायेगी। वहीं साहित्य अकादमी कोलकाता आंचलिक के सचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने कहा कि वर्तमान समाज व्यवस्था में विभिन्न समस्याओं की अनुभूति को साहित्यकार व कवि उठाने का प्रयास करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मार्च महीने में साहित्य अकदामी 70 वर्ष में प्रवेश करेगी।